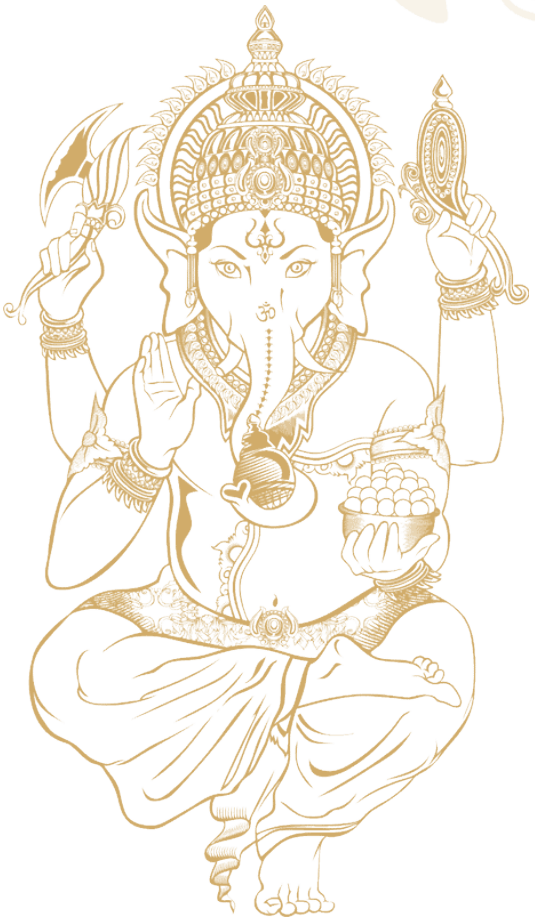

S

02 Feb 1994

11:44 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121116713

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/1994**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:44:00 घंटे**
इष्ट	11:26:57 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:22:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:43 घंटे
साम्पातिक काल	20:11:43 घंटे
सूर्योदय	07:09:13 घंटे
सूर्यास्त	18:00:44 घंटे
दिनमान	10:51:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:23:30 मकर
लग्न के अंश	20:44:44 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:44:44	440:51:35	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मक	19:23:30	01:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	05:16:56	14:11:37	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	मक	10:11:01	00:46:47	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	07:18:06	01:16:40	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			तुला	19:48:54	00:04:45	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	23:16:13	01:15:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
शनि			कुंभ	06:43:15	00:07:05	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	06:10:42	00:01:41	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	06:10:42	00:01:41	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
हर्ष			धनु	29:41:32	00:03:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	27:53:19	00:02:09	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	04:04:34	00:00:57	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मक	06:56:24	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:44

लग्न-चलित

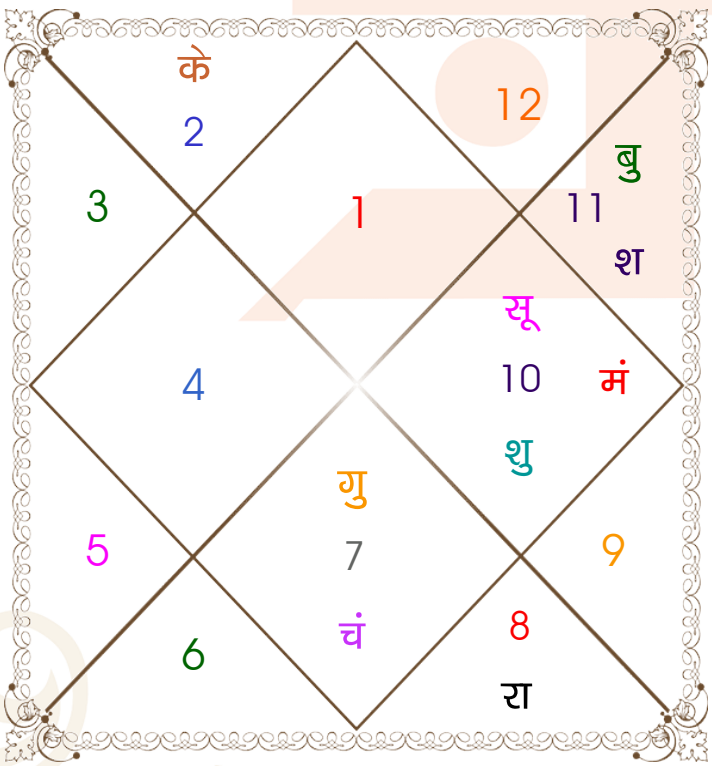

चन्द्र कुंडली

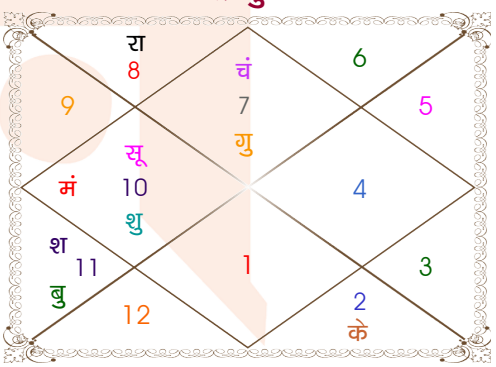

नवमांश कुंडली

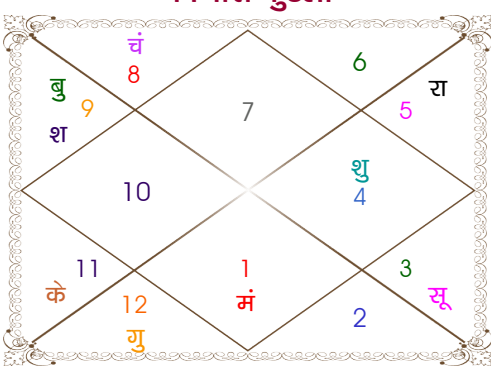

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 8 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/02/1994		25/10/1994		25/10/2012		25/10/2028		26/10/2047	
25/10/1994		25/10/2012		25/10/2028		26/10/2047		25/10/2064	
	00/00/0000	राहु	08/07/1997	गुरु	13/12/2014	शनि	29/10/2031	बुध	23/03/2050
	00/00/0000	गुरु	01/12/1999	शनि	25/06/2017	बुध	08/07/2034	केतु	21/03/2051
	00/00/0000	शनि	07/10/2002	बुध	01/10/2019	केतु	17/08/2035	शुक्र	18/01/2054
	00/00/0000	बुध	26/04/2005	केतु	06/09/2020	शुक्र	16/10/2038	सूर्य	25/11/2054
	00/00/0000	केतु	14/05/2006	शुक्र	08/05/2023	सूर्य	28/09/2039	चंद्र	25/04/2056
	00/00/0000	शुक्र	14/05/2009	सूर्य	24/02/2024	चंद्र	29/04/2041	मंगल	23/04/2057
	02/02/1994	सूर्य	08/04/2010	चंद्र	25/06/2025	मंगल	07/06/2042	राहु	10/11/2059
सूर्य	26/03/1994	चंद्र	07/10/2011	मंगल	01/06/2026	राहु	13/04/2045	गुरु	15/02/2062
चंद्र	25/10/1994	मंगल	25/10/2012	राहु	25/10/2028	गुरु	26/10/2047	शनि	25/10/2064

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/10/2064		26/10/2071		26/10/2091		25/10/2097		27/10/2107	
26/10/2071		26/10/2091		25/10/2097		27/10/2107		00/00/0000	
केतु	23/03/2065	शुक्र	24/02/2075	सूर्य	12/02/2092	चंद्र	26/08/2098	मंगल	24/03/2108
शुक्र	23/05/2066	सूर्य	24/02/2076	चंद्र	13/08/2092	मंगल	27/03/2099	राहु	11/04/2109
सूर्य	28/09/2066	चंद्र	25/10/2077	मंगल	19/12/2092	राहु	26/09/2100	गुरु	18/03/2110
चंद्र	29/04/2067	मंगल	25/12/2078	राहु	12/11/2093	गुरु	26/01/2102	शनि	27/04/2111
मंगल	25/09/2067	राहु	25/12/2081	गुरु	01/09/2094	शनि	27/08/2103	बुध	23/04/2112
राहु	13/10/2068	गुरु	25/08/2084	शनि	14/08/2095	बुध	25/01/2105	केतु	19/09/2112
गुरु	19/09/2069	शनि	26/10/2087	बुध	19/06/2096	केतु	26/08/2105	शुक्र	20/11/2113
शनि	28/10/2070	बुध	26/08/2090	केतु	25/10/2096	शुक्र	27/04/2107	सूर्य	03/02/2114
बुध	26/10/2071	केतु	26/10/2091	शुक्र	25/10/2097	सूर्य	27/10/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 8 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।